(a) whether it is a fact that the Government have under its consideration a proposal to set up an International Banking Corporation to take care of the operations of overseas branches of the public sector banks; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) and (b) Government has accorded in principle approval for setting up a new international bank to take over the existing overseas branches net-work of the nationalised banks. Reserve Bank of India is seized of the matter of drawing up detailed proposals in this regard.

Adjudication proceeding against M/s. I.T.C. Limited

339. DR. BAPU KALDATE:

SHRIMATI KAMLA SINHA:

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL:

Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 3491 given in the Rajya Sabha on the 6th September, 1990 and state:

(a) whether Government are aware of adjudication proceedings on show cause notices issued to M/s. I.T.C. Limited which involve more than Rs. 800 crores;

(b) if so, what is the latest position of these proceeding: and

(c) in what manner Government propose to complete the proceedings expeditiously in view of large amount of revenue involved?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) With a view to expedite adjudication of the case against M/s. I.T.C. Limited, and similar other cases, the Government has specially posted an Officer of the grade of Collector of Central Excise, primarily for adjudication of the cases. Considerable progress in the adjudication proceedings has been made.

वैदिक गणित के सम्बन्ध में राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान की प्रबन्ध समिति की बैठक

340. श्री जगदीश प्रसाद माथुर :

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान की प्रबंध समिति की अंतिम बैठक कब हुई थी ;

(ख) उपरोक्त बैठक में वैदिक गणित के संबंध में क्या निर्णय लिया गया ;

(ग) वैदिक गणित के बारे में लिए गए निर्णय को अभी तक कितना कार्यान्वित किया गया है ; और

(घ) इस संबंध में अभी तक की गई प्रगति का ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जन सिंह) : (क) और (ख) राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान की प्रबंधक समिति की पिछली बैठक दिनांक 24-1-1991 को आयोजित की गई थी जिसमें वैदिक गणित के बारे में निम्नलिखित निर्णय लिए गए :—

(i) वैदिक गणित की सामग्री जिसे रा०शै०अ०परि० द्वारा अपनी गणित की शिक्षक, गाइड में शामिल किया गया है, उसे रा०शै०अ०प्र०परि० द्वारा गणित की पुस्तकों में भी एक वैकल्पिक तथा समृद्ध सामग्री के रूप में भी शामिल किया जाना चाहिए ।

(ii) वैदिक गणित का उपयोग करने वाले संगणक साफ्टवेयर को राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा विकास अध्ययन संस्थान तथा रुड़की विश्वविद्यालय में विकसित किया जाना चाहिए जिसका उद्देश्य यह होगा कि इसका उपयोग, गणितज्ञों, तकनीकी शिल्पकारों, अध्येताओं तथा छात्रों द्वारा भी उपयोग किया जाए ।

(iii) राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा प्रोफेसर एस०के० कपूर को सरकारी तौर पर आमंत्रित करना चाहिए ताकि वे अपने शोध प्रबन्धों तथा अन्य नए कार्यों को प्रस्तुत कर सकें और अपनी कार्यों और निर्देशों के मुख्य निष्कर्षों पर एक नोट दे सकें जिन पर और आगे अनुसंधान कार्य किया जाना है ।

(ग) और (घ) अभी तक इन निर्णयों पर निम्नलिखित कार्रवाई की गई है :—

(i) राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान ने रा०शै०प्र०परि० के निदेशक को एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने रा०शै०प्र० परि० की गणित की पुस्तकों में वैदिक गणित की सामग्री को एक वैकल्पिक तथा समृद्ध सामग्री के रूप में शामिल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है ।

(ii) राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संगणक साफ्टवेयर में वैदिक गणित के उपयोग के लिए राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा विकास अध्ययन संस्थान द्वारा किए गए अध्ययन की रिपोर्ट प्राप्त कर ली हैं । इस संस्थान द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कुछ मामलों में वैदिक गणित द्वारा गुणा/भाग अधिक शीघ्र होता है ।

(iii) राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान ने डा० एस० के० कपूर की वैदिक गणित पर विशेषज्ञ समिति के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया था । डा० कपूर ने अपने शोध निबंध तथा अन्य कागजात प्रस्तुत किए जिसमें उन्होंने यह सुझाव दिया कि वदिक गणित में 16 सूत्रों की और आगे विविक्षा की जानी चाहिए ।

Approvals to 100 per cent Export Oriented Units

341. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Govenmertn are formulating any special scheme for giving quick approval to 100 per cent export oriented units (EOU);

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether they will be allowed to import capital goods on priority basis and through free foreign exchange; and

(d) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Yes, Sir. It is proposed to provide for :—

(i) fast track clearance of applications fulfilling certain conditions;

(ii) decision within 45 days by the BOA for all other cases.

(c) and (d) 100 per cent EOU units are allowed to import capital goods as per the prevalent Import Policy.

Admission in Kendriya Vidyalayas

342. SHRI ANAND PRAKASH GAUTAM: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the then Prime Minister had in April, 1990 abolished the provision of admissions in Kendriya Vidyalayas through Special Dispensation of the Commssioner which in actual practice was done by the Chairman of the Sangathan;

(b) whether the present Chairman has since been empowered to order such admissions;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) the names of the students with names of class and Vidyalaya, who have been given admission under this provision ?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) to (c) Yes, Sir. The special dispensation admissions were stopped in April, 1990 by Prime Minister's Office. However, in December 1990, the then Chairman, Kendriya Vidyalaya San-